सात पूँछ का चूहा

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- चित्र देख कर कहानी मौखिक सुनाना।
सात पूँछ का चूहा कौन सा है? बच्चे गिनकर बताएँ फिर 6 पूँछ का आदि।
- उंगली रखकर पढ़कर सुनाना। दूसरी तीसरी बार में बच्चे भी सही जगह उंगली रखें। आधे वाक्य पर रुकना बच्चे वाक्य पूरा करें जैसे पाँच- पूँछ का चूहा..
- शब्द व वाक्य पहचान-*चूहा', 'पूँछ', 'एक', 'दो', 'तीन'.... 'सात'। 'नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी'।* आदि
- अक्षर मात्रा पहचान (ई, च, छ, ए............ आदि) अक्षर मात्रा से शब्द बनाना।
- पृष्ठ 39, 57, 59 जैसे अभ्यास करना।
- घटाने की और कविता -कहानी जैसे चिड़िया चिड़िया उड़ती जा।
- चूहे, नाई आदि पर चर्चा
- बच्चे स्वयं कहानी पढ़ने की कोशिश करें। शिक्षक बार बार आने वाले वाक्यों पर रुकें, बच्चे बोलें जैसे *चूहा गया नाई के पास*

नोट - यह कहानी पढ़ना सीखने वाले बच्चों को पढ़ने के लिये सहयोगी है। इस में शब्द व वाक्य बार-बार आये हैं। इससे बच्चों को अन्दाज लगने लगता है कि आगे क्या होगा। यह अंदाज समझकर पढ़ने केलिये महत्वपूर्ण है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

सात पूंछ का चूहा

एक था चूहा। उस चूहे की सात पूंछें थीं। सब उसे चिढ़ाते - **सात पूंछ का चूहा, सात पूंछ का चूहा।**

आखिर तंग आकर चूहा गया नाई के पास। उसने नाई से कहा - नाई दादा, मेरी एक पूंछ काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ काट दी। अब चूहे के पास बचीं छह पूंछें।**

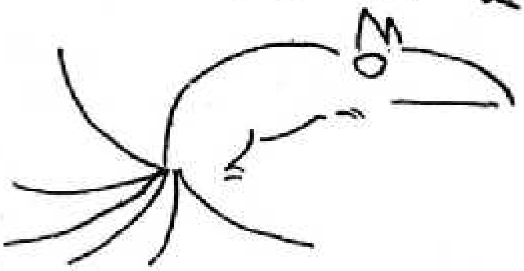

अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला सब उसे चिढ़ाने लगे - **छह पूंछ का चूहा, छह पूंछ का चूहा।** चूहा फिर से तंग आ गया। वह गया नाई के पास। उसने कहा - नाई दादा, नाई दादा - मेरी एक पूंछ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस पाँच पूंछें।**

पर अगले दिन सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे - **पाँच पूंछ का चूहा, पाँच पूंछ का चूहा।** चूहा गया नाई के पास। नाई दादा, मेरी एक पूंछ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस चार पूंछें।**

पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे -
चार पूंछ का चूहा, चार पूंछ का चूहा। चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस तीन पूंछें।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते -
तीन पूंछ का चूहा, **तीन** पूंछ का चूहा। चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं दो ही पूंछें।

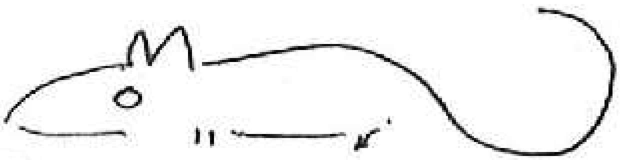

फिर भी सब उसे चिढ़ाते -
दो पूंछ का चूहा, **दो** पूंछ का चूहा। तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब वह एक पूंछ का चूहा हो गया।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते।
एक पूंछ का चूहा, **एक** पूंछ का चूहा। तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने आखिरी पूंछ भी काट दी। अब चूहे की पूंछ ही नहीं बची।

लेकिन फिर भी सब उसे चिढ़ाते - **बिना पूंछ का चूहा, बिना पूंछ का चूहा**।

गिनने की कुछ कविताएं

चुड्डोर चौआ इक्के ऊड़ा
(छोटे बच्चे इधर देखो)
बातुल मदरसा लैसो गूड़ा
(आया स्कूल ले लो गुड़)
गिनती टोड्डी वनकी तोल
(गिनती सुनो और मुंह से बोलो)
उन्दी में उन्दीं और मिलाओ
(एक...........
रण्ड वीड़िस को खूब हिलाओ)
(दो उंगली.........
रण्ड में उन्दी और मिलाओ)
मून्द वीड़िस को खूब हिलाओ
(तीन..........
मून्द में उन्दी और मिलाओ
नालुग वीड़िस को खूब हिलाओ
(चार ....
नालुंग में उन्दीं और मिलाओ
सैयुंग वीड़िस को खूब हिलाओ
(पाँच..........

एक छोटी चिड़िया डाल पर बैठी थी
एक और आ गई हो गई दो
दो छोटी चिड़िया डाल पर बैठी थी
एक...........

एक महल है, चहल पहल है
दो दरवाजे, तीन हैं खिड़की
चार हैं लड़के, पांच हैं लड़की,
छः घोड़े हैं, छोटे छोटे
सात सिपाही मोटे मोटे
आठ हैं कुत्ते, करते भौं-भों,
नौ चूहे बिल्ली से डरते
दस हैं चिड़िया उड़ती ऊपर
आएंगी बादल को छूकर

एक राजा की राजकुमारी,
दो दिन से बीमार बेचारी।
तीन डाक्टर दौड़े आए,
चार दवा की पुड़िया लाए।
पाँच मिनट मे गरम कराई,
छह छह घटे बाद पिलाई।
सात दिनो मे आँखे खोलीं,
आठवे दिन रानी से बोली।
नौवे दिन कुछ ताकत आई,
दसवे दिन दौड़ लगाई।

पेड़

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर बातचीत तख्ते पर पेड़ का चित्र बनाकर और क्या नहीं बनाया? आसपास कौन-कौन से पेड़ हैं? कौन-कौन से पेड़ों के नाम जानते हो? पेड़ के साथ हम क्या-क्या करते हैं। हमें क्या-क्या मिलता है? आदि।
- कविता हाव भाव से पढ़ना। कविता का रोल प्ले।
- पेड़ तथा विभिन्न फलों के चित्र स्लेट पर बनाना।
- पेड़ की कविता बार-बार दोहराना। तख्ते पर लिखकर उंगली रखकर पढ़ना उसमें आए शब्दों की पहचान के साथ। जो शब्द बच्चे पढ़ सकें उन्हें तख्ते, स्लेट पर लिखना।
- पत्तों से बन्दनवार (तोरन) बनाना।
- पन्ने से गिनती कितने बच्चे हैं? कितने भाग रहे हैं? अब कितने बच्चे? आदि। पेड़ पर कितने आम हैं? पहले पेड़ से 2 गिर गए तो पहले कितने थे।
- बच्चों के आसपास घटी कोई घटना जब उन्हें भागना पड़ा हो सुनना, सुनाने के लिये प्रोत्साहित करना।
- एक अक्षर से शुरु होने वाले शब्द बोलना पढ़ना व लिखना-जैसे *लाला पाला — — ला*
- ल और ला में अन्तर
- मात्रा हटा कर लिखना पढ़ना जैसे *पाला पल नाला नल* और भी मात्राओं के साथ करना
- शब्दों को अक्षरों में तोड़कर अक्षर कार्ड से वापस शब्द बनाना।
- पृष्ठ 39 व 57 की तरह के अभ्यास करना।

नोट - उसी अक्षर को बिना मात्रा व मात्रा सहित बोले हुए रूप से संबंध स्थापित करना।

इस पन्ने पर कौन सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

इस पन्ने से आपने और कौन-कौन सी गतिवधियाँ बनाई व कराई।

कौन सी गतिविधि में आपकी व बच्चों को ज्यादा मजा आया/ किन में दिक्कत आई।

पेड़

देखो है ये पेड़ निराला,
पत्ती और फल फूलों वाला,
मैंने इसे है प्यार से पाला,
आमों से ये लदा हुआ है,
तुम भी आ के खाओ लाला।

देखो बाग में कैसी हलचल,
खेल रहे हैं बच्चे चंचल,
तोड़ तोड़ के खाते फल,
माली कहता चल भग चल।

कौन किससे बना

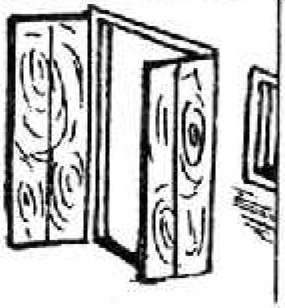

दरवाज़ा

कैंची

किताब

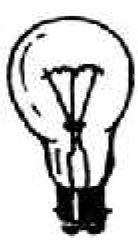

बल्ब

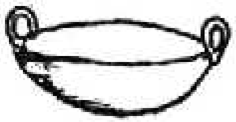

कड़ाही

गिलास

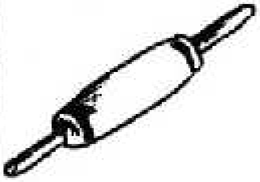

बेलन

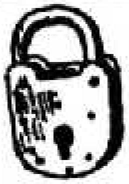

ताला

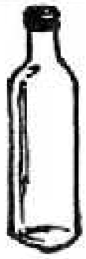

बोतल

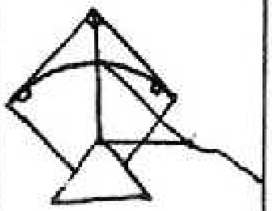

पतंग

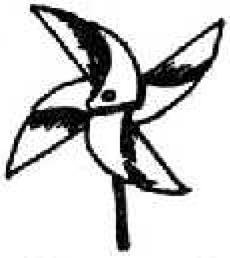

फिरकनी

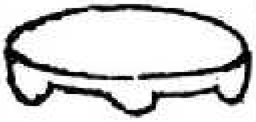

चकला

लकड़ी	लोहा	काँच	कागज़

कौन किससे बना

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- पन्ने पर बने चित्रों की लिखित नाम के साथ पहचान। चर्चा।
- पन्ने पर लिखित समूहीकरण (छंटाई) के पहले मौखिक समूहीकरण - कि कौन सी चीज किस समूह में आएगी। जैसे कागज़ की बनी चीजें कांच की बनी चीजें।
- तख्ते पर तालिका बनाकर बताना एवं लोहा, लकड़ी कांच, कागज़ शब्द जो पन्ने पर लिखे हैं उनकी पहचान व पढ़ना।
- तालिका भरना। जैसे- लकड़ी के नीचे लकड़ी की बनी वस्तुओं के नाम, काँच के नीचे काँच की बनी वस्तुओं के नाम जो पन्ने पर हैं इसी तरह बाकी वस्तुओं का भी।
- तालिका भरने के बाद गिनना कौन सी चीज ज्यादा कम, बराबर है
- आसपास की चीजों का समूहीकरण।
- कागज से पतंग, फिरकनी और चीजें बनवाना।
- चित्रकार्ड की मदद से शब्द पहचान व समूहीकरण की और गतिविधि करना जैसे खाने की, जानवरों की, घर में काम आने वाली आदि।

नोट- समूहीकरण व तालिका भरने पर ध्यान। तालिका भरना थोड़ा जटिल कौशल है। एक दो चीजें विवाद बन सकती हैं जैसे बोतल या बल्ब जिसमें धातु है (बच्चे आम तौर पर धातु को लोहा ही समझेंगे। धातु की बात न करें) इन्हें दो तरह से सुलझाया जा सकता है बच्चों से चर्चा करके - या तो जो भी चीज अधिक है, उस स्तम्भ में लिखकर, या दोनों में दोनों ही सही है- मुख्य बात बच्चों के साथ चर्चा करके निर्णय लेने की है। समूहीकरण में एक वस्तु एक से अधिक समूह में आ सकती है।

पन्ने पर कौन सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

इस पन्ने से आपने और कौन-कौन सी गतिविधियाँ बनाई व कराईं।

कौन सी गतिविधि में आपको व बच्चों को ज्यादा मजा आया। किनमें दिक्कत आई।